मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 325
गुरुवार, 19 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

रूस की चेतावनी, अमेरिका ईरान पर हमला न करे, वरना हो सकती है परमाणु तबाही

नई दिल्ली, 18 जून। इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध 18 जून को छठे दिन में पहुंच गया है। इस दौरान दोनों देशों ने एक-दूसरे पर नए मिसाइल हमले किए हैं। हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं और पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा है कि वह बिना शर्त आत्मसमर्पण करे ताकि इस संघर्ष को और बढ़ने से रोका जा सके। उन्होंने यह बयान क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए दिया है।

रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 18 जून की सुबह के पहले दो घंटे में ईरान ने इजराइल की तरफ दो मिसाइल हमले किए। इन हमलों के धमाके इजराइल की राजधानी तेल अवीव के ऊपर सुने गए। इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान के दक्षिण-पश्चिम इलाके में रहने वाले लोगों को चेतावनी दी है। बताया गया है कि इजराइली वायुसेना इस इलाके में मौजूद ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकती है, इसलिए लोगों को जगह खाली करने के लिए कहा गया है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइली सेना अपने हमले और तेज करेगी। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने भी जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखाः हमें आतंकवादी जायोनी शासन को कड़ा जवाब देना होगा। हम जायोनीवादियों पर दया नहीं करेंगे।

इस पूरे संघर्ष की शुरूआत 13 जून को हुई, जब इजराइल ने ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के तहत ईरान के परमाणु ठिकानों पर हवाई हमला किया था।

इसके जवाब में ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस लड़ाई के कारण मध्य पूर्व की शांति और स्थिरता पर खतरा मंडरा रहा है।

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

लखनऊ, 18 जून। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और देवरिया जिलों मेंदो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक सोनभद्र जिले में रॉबर्ट्गंज थाना क्षेत्र के परासी पांडेय गांव के पास तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनिल कुमार के अनुसार, पन्नूगंज के पचोखर गांव के निवासी चंदन तिवारी, राजेश और चंदन पांडेय आधी रात (मंगलवार-बुधवार) बाइक से शाहगंज से रॉबर्ट्सगंज लौट रहे थे, तभी एक कार ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि चंदन तिवारी और राजेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चंदन पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज जारी है। मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि टक्कर जानबूझकर मारी गई थी, हालांकि पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना लग रही है। एएसपी कुमार ने कहा, मामले की जांच की जा रही है और निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। देवरिया जिले में, मंगलवार देर रात काली मंदिर के पास देवरिया-रुद्रपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने 45 वर्षीय मजदूर लल्लन निषाद की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सुरौली थाने के अंतर्गत तिवई टोला बिंदवलिया का निवासी निषाद देवरिया में काम के बाद घर लौट रहा था, तभी पाइपलाइन के काम के लिए सड़क किनारे खोदे गए गड्ढ के कारण बाइक अनियंत्रित होने के बाद हादसे में उसकी मौत हो गई।

गोपालपुर बीच पर युवती के साथ गैंगरेप के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

ओडिशा, 18 जून। गोपालपुर बीच गैंगरेप मामले के खिलाफ कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। वे सीएम आवास की ओर मार्च कर रहे हैं और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने कहा कि गोपालपुर में हुई घटना से पूरा देश शर्मसार है। 10 लोगों ने एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया। सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। क्योंझर में कल एक और 16 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार किया गया। और यह सरकार सुभद्रा योजना की बात करती है। इस राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। हम यहां सीएम का इस्तीफा मांगने आए हैं। ओडिशा के प्रसिद्ध गोपालपुर समुद्र तट पर 20 वर्षीय एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार नाबालिगों समेत दस लोगों को मंगलवार को पकड़ा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात की है जब निजी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रही उक्त छात्रा अपने सहपाठी और प्रेमी के साथ राजा पर्व के अवसर पर समुद्र तट पर गई थी। महिला ने गोपालपुर थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया कि जब वे दोनों समुद्र तट पर एक सुनसान जगह पर बैठे थे, तब 10 लोगों के एक समूह ने उन्हें घेर लिया, उसके प्रेमी को पकड़ा और फिर बारी-बारी से महिला के साथ बलात्कार किया।

स्थानांतरण व वेतन कटौती के विरोध में बिफरे बिजलीकर्मी, आज से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह

दो महीने पहले सौंपी गई पांच सूत्रीय मांगों की अनदेखी और संविदाकर्मियों के कटे वेतन को लेकर कड़ी आपत्ति जताई

सुरेश गांधी

वाराणसी। लेढ़ुपुर विद्युत उपकेंद्र पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित जनजागरण सभा में बिजलीकर्मियों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक पर सरकार की स्थानांतरण नीति के विपरीत कार्रवाई करने और कर्मचारियों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया।

सभा में कर्मचारियों ने दो महीने पहले सौंपी गई पांच सूत्रीय मांगों की अनदेखी और संविदाकर्मियों के कटे वेतन को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। वक्ताओं ने बताया कि संविदाकर्मियों की फेसियल अटेंडेंस बिना मोबाइल व डेटा सुविधा के लागू की गई, जिससे उनका वेतन काटा गया। सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि पिंटू सिंह ने कहा कि निजीकरण की आड़ में आम जनता को भी परेशान किया जा रहा है। निजी कंपनियों द्वारा मीटर रीडिंग और स्थापना से उपभोक्ताओं को गलत बिल मिल रहे हैं, जिससे असंतोष बढ़ा है।

बिजलीकर्मियों ने चेतावनी दी कि अगर प्रबंध निदेशक द्वारा पांच सूत्रीय मांगों पर तुरंत कार्य नहीं हुआ तो बुधवार से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू होगा, जो 24 घंटे लगातार जारी रहेगा। सभा की अध्यक्षता ई. के.के. ओझा और संचालन उमेश यादव ने किया। सभा को ई. मनोज गुप्ता, ई. पंकज कुमार, अंकुर पांडेय, उदयभान दुबे, धर्मेंद्र यादव, ई. आजाद, ई. आदित्य पांडेय, ई. रोहित राय, रमेश कुमार, अरुण गुप्ता, रजनीश कुमार, मो. हारिश, चंद्रशेखर कुमार, परमिंद्र, विनीत कुमार आदि ने संबोधित किया। बिजलीकर्मियों ने स्पष्ट कहा कि स्थानांतरण या अन्य कार्रवाई निजीकरण विरोधी आंदोलन को दबा नहीं सकती, बल्कि इससे और आक्रोश उत्पन्न होगा। कर्मचारी अब सामूहिक स्थानांतरण की भी मांग करने जा रहे हैं।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर अचानक गिरने लगी चट्टानें, खाई में गिरने से दो तीर्थयात्रियों की मौत, तीन घायल

केदारनाथ, 19 जून। उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर जंगलचट्टी बरसाती नाले के पास बुधवार को भूस्खलन होने से उसकी चपेट में आए दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी जबकि एक महिला समेत तीन अन्य घायल हो गए। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली सूचना के अनुसार, सुबह करीब ग्यारह बजे हुए भूस्खलन का शिकार हुए लोगों को उपचार के लिए ले जाया गया है।

जानकारी के अनुसार, बरसाती नाले के पास ऊपर पहाड़ी से मलबा और पत्थर आने के कारण इस क्षेत्र से गुजर रहे कुछ यात्री तथा पालकी संचालक इसकी चपेट में आकर नीचे खाई में गिर गए।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस तथा जिला आपदा प्रबंधन बल की टीमें खाई में गिरे लोगों को निकाल कर ऊपर लायीं। घायलों में से एक महिला को हल्की चोटें आयी हैं जबकि दो पुरूष गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए गौरीकुंड भेजा गया है। हादसे का शिकार हुए लोगों की पहचान की जा रही है। इस बीच, पुलिस की मौजूदगी में यात्रियों की आवाजाही करायी जा रही है।रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे के अनुसार, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और जिला आपदा प्रतिक्रिया बल (डीडीआरएफ) के जवान तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावित व्यक्तियों को बचाया। एसपी ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत तीन अन्य घायल हो गए। महिला को मामूली चोटें आईं, जबकि गंभीर रूप से घायल पुरुषों को गौरीकुंड के स्वास्थ्य केंद्र में रेफर कर दिया गया।रुद्रप्रयाग पुलिस ने बताया, आज सुबह 11:20 बजे जंगलचट्टी के पास ऊपरी पहाड़ी से अचानक मलबा और पत्थर गिरने से कुछ यात्री और डंडी/कंडी धारक फंस गए। स्थानीय पुलिस और डीडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को बचाया।

सरकारी मदद के बगैर बीसीपीएल को टिकाऊ बनाने के लिए कर रहे काम: हिमंत विश्व शर्मा

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनका प्रशासन ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) को सरकारी मदद के बगैर टिकाऊ बनाने के लिए एक स्थायी समाधान पर काम कर रहा है।

शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस राह में कई चुनौतियां हैं और हम उन पर चर्चा कर रहे हैं। बीसीपीएल पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा पेट्रोकेमिकल परिसर है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत बीसीपीएल को जनवरी, 2016 में चालू किया गया था। यह संयंत्र देशभर में उच्च गुणवत्ता वाले पॉलिमर के विभिन्न ग्रेड का उत्पादनकरता है। इसकी प्रमुख शेयरधारक कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड इसके उत्पादों का विपणन कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीसीपीएल ने अपने इस्तेमाल के लिए ओडिशा के पारादीप में जमीन मांगी थी और राज्य सरकार इसके लिए कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, हम यहां तैयार उत्पाद बनाने के लिए एक समूह के साथ बातचीत कर रहे हैं क्योंकि इससे उद्योग को मजबूती मिलेगी।

असम में आठ करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

असम। असम के श्रीभूमि जिले में आठ करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मादक पदार्थ रोधी अभियान में श्रीभूमि पुलिस ने सदरशी में एक वाहन को रोका और आठ करोड़ रुपये मूल्य की याबा की 40,000 गोलियां जब्त कीं। एक तस्कर अब सलाखों के पीछे है। आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पहले ही शुरू कर दी गई हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

-ललित गर्ग

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बंल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते। आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि ह्यराज्य प्रायोजित आतंकवादह्व इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि ह्यआतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा दिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ में वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

लोग किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं चाहते

अशोक भाटिया

पुणे के कुंदमाला गांव में हुआ पुल हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं था, बल्कि यह प्रशासन की लापरवाही और विभागों के बीच तालमेल की भारी कमी को उजागर करने वाला मामला बन गया है. रविवार को हुए इस हादसे में चार लोगों की जान चली गई और 51 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. कुंदमाला का यह पुराना पुल पहले ही ह्यखतरनाकह्व घोषित किया जा चुका था. उस पर एक बोर्ड भी लगाया गया था जिसमें साफ तौर पर लिखा था कि यह पुल उपयोग के लिए बंद है. इसके बावजूद लोगों की आवाजाही जारी थी. यह सवाल खड़ा करता है कि जब पुल को बंद किया गया था, तो उसे पूरी तरह सील क्यों नहीं किया गया?

अभी भी अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे की यादें ताजा हैं, लेकिन महाराष्ट्र और उत्तराखंड राज्यों में दो हादसे हुए। दोनों का एकमात्र कारण पर्यटकों का अत्यधिक उत्साह और प्रशासन के निदेशों का पालन किए बिना अपने वाहनों को खतरे में डालने और मौत से बचने का जोखिम है। इसलिए प्रशासन की ओर से बार-बार निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन पर्यटक नहीं सुनते और समझा जाता है कि रविवार दोपहर जब हादसा हुआ तब संकरे पुल पर कई पर्यटक मौजूद थे। ये पर्यटक पानी देखने जाते हैं और कई पर्यटकों को बहते पानी में अपनी जान गंवानी पड़ी। कई लोग बह गए और कई लापता हैं। अब उनकी जांच की जाएगी और जीवन की सही संख्या सामने आएगी। लेकिन प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, 10 से 15 पर्यटक बह गए हैं।

पुणे हादसे के बाद एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का खेल शुरू हो गया है. लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) ने साफ कहा कि यह पुल उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता. जिला परिषद ने भी पल्ला झाड़ लिया. निर्माण विभाग (उत्तर) के कार्यकारी अभियंता हेमंतकुमार चौगुले ने तो यहां तक कहा कि ह्लहम इतना बड़ा पुल नहीं बनाते.ह्व यानी पुल है तो जमीन पर, लेकिन उसका मालिक कौन है, ये कोई नहीं जानता.इस पुल की जगह नया पुल बनाने के लिए सरकार ने एक साल पहले ही मंजूरी दे दी थी. 1 जुलाई 2024 को तत्कालीन निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने भाजपा नेता रवींद्र भेगड़े को इसकी जानकारी पत्र के जरिए दी थी. इसके बाद 10 जून 2025 को काम शुरू करने का आदेश भी जारी हुआ था. लेकिन हकीकत यह है कि एक ईंट तक नहीं रखी गई.

अब जिला प्रशासन ने एक समिति गठित की है जो यह जांच करेगी कि पुल किस विभाग ने बनवाया था. जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने कहा है कि रिपोर्ट के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. लेकिन सवाल उठता है जब तक विभागों में यही तेरा-पुल, मेरा-पुल चलता रहेगा, तब तक आम जनता कब तक अपनी जान गंवाती रहेगी? जांच के लिए पहुंचे ग्राम सेवक और जूनियर इंजीनियर ने पुल और स्थल का निरीक्षण किया. जब इंदुरी ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड देखे गए, तो पता चला कि यह पुल उनके रजिस्टर में दर्ज ही नहीं है. यानी कागजों में यह पुल मौजूद ही नहीं है.

वैसे राज्य सरकार ने सभी पुलों के ऑडिट का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत सभी पुलों की मरम्मत का आदेश दिया है। अब वारी आगे है और लाखों वारकरी आ रहे हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए जाने चाहिए। लेकिन इससे पहले, दुर्घटना ने प्रशासन की आंखों में एक अच्छी रोशनी डाल दी है। तालेगांव-दाभाडे में कुंडमाला, जो मावल तालुका में एक पर्यटक आकर्षण के रूप में जाना जाता है, एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। पर्यटकों की जान चली गई है। पुल ढहने से पर्यटक नदी के पानी में बह गए हैं। करीब छह शव बरामद किए गए हैं। इसका मतलब है कि आप देखेंगे कि घटना कितनी गंभीर है। पुल जीर्ण-शीर्ण है और एक साल पहले पुल की मरम्मत के लिए 6 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया गया था। लेकिन इसने काम करना शुरू नहीं किया। यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इस देरी के लिए जिम्मेदार लोग इस दुर्घटना का कारण हैं। यह भी समझा जाता है कि दुर्घटना के समय पुल पर 100 लोग खड़े थे। लेकिन उन्हें किसी ने नहीं रोका।

पुणे दुर्घटना के घातक प्रभाव से पहले रविवार को उत्तराखंड में एक और घातक हादसा हुआ जिसमें सभी सात यात्रियों की मौत हो गई। आर्यन एविएशन के हेलीकॉप्टर ने शाम 5.17 बजे उड़ान भरी और खराब मौसम की स्थिति और खराब दृश्यता के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना गुप्तकाशी में हुई और हेलीकॉप्टर केदारनाथ में चल रहा था। जब हेलीकॉप्टर ने अंतरिक्ष में उड़ान भरी तो मौसम बिल्कुल भी अच्छा नहीं था और फिर भी पायलट और हेलीकॉप्टर आगे बढ़े। कारण दिए गए हैं। कम दृश्यता से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है और भारतीय वायु सेना के एमआई-17 हेलिकॉप्टर के हवा और वजन और दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण अपना संतुलन खोने के प्राथमिक कारण हैं।

मावल में दुर्घटना हो या हेलीकॉप्टर दुर्घटना, पहली बात जो दिमाग में आती है वह है यात्रा का प्यार... नतीजतन लोग बिना सोचे-समझे यात्रा पर निकल जाते हैं। वे यह भी जांचने की जहमत नहीं उठाते कि मौसम कैसा है और बारिश के कारण हेलीकॉप्टर या विमान की दृश्यता है या नहीं। उत्तराखंड तो दूर है। लेकिन इंद्रायणी नदी पर पुल हमारे महाराष्ट्र में है और लोग अब बारिश के मौसम में बहुत यात्रा करेंगे और ऐसे कई हादसों का सामना करेंगे। चाहे वह भुशी बांध हो, लोनावाला या अलीबाग समुद्र तट या रत्नागिरी में प्रसिद्ध पर्यटन स्थल। यहां अभी तक ज्यादा सुविधाएं नहीं बनाई गई हैं। तो प्रशासन की एक छोटी सी गलती भी यात्रियों की जान ले सकती है। उत्तराखंड के बारे में भी यही कहा जा सकता है। खराब मौसम वहां सामान्य मुद्दा है। लेकिन उन्हें ऐसे मौसम में न जाने के लिए कहने की कोई व्यवस्था नहीं है। अब, जब वैष्णो देवी यात्रा आयोजित की जाती है, तब भी कई लोगों की जान खतरे में पड़ जाएगी। क्योंकि वहां की सड़कें इतनी संकरी हैं कि केवल खच्चर ही चल सकते हैं। ऐसा न करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। केदारनाथ से कई हेलीकॉप्टर क्रैश हो चुके हैं।

अगर हम भारत में इस तरह की दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों की संख्या के आंकड़ों को देखें, तो ऐसा लगता है कि आतंकवादी हमलों की तुलना में अधिक हताहत हुए हैं। इसलिए, सड़क दुर्घटनाओं या पुल दुर्घटनाओं या हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के कारण जीवन का नुकसान किसी भी कारण से बदतर है। समस्या केवल अस्थायी मुआवजा प्रदान करने से हल नहीं होगी। चाहे दुर्घटना हो या मानव जीवन, जो बड़ी कीमत पर हैं, प्रशासन को भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल उपाय करने चाहिए क्योंकि ये जीवन वापस नहीं आएंगे। इससे भारत को नुकसान होता है क्योंकि कोई कितना भी छोटा क्यों न हो, देश ने अपने विकास के लिए अपनी कीमत चुकाई है। ऐसा नुकसान देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। भविष्य में सभी को सावधान रहना चाहिए ताकि ऐसा न हो।

दल में दरकिनार दिखती दीदी

-राकेश दुबे

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी इन दिनों कुछ ज्यादा ही शांत झ शांत सी हैं। संसद में वे गजब सक्रिय दिखी हैं, लेकिन फील्ड में अब कम ही दिख रही हैं। उनकी मौजूदा राजनीतिक निष्क्रियता ने नई अटकलों को जन्म दिया है। सवाल स्वाभाविक है कि क्या प्रियंका की यह चुप्पी किसी रणनीति का हिस्सा है, या राहुल गांधी को देश में कांग्रेस का एकमात्र शक्ति संपन्न नेता स्थापित करने की कोशिश? कांग्रेस में कुछ लोग इसे पार्टी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल की साजिश भी मान रहे हैं। कारण जो भी हों, लेकिन दीदी इन दिनों अपनी ही पार्टी में दरकिनार सी दिख रही हैं। प्रियंका कांग्रेस के आलाकमान कहे जाने वाले गांधी परिवार की ताकतवर सदस्य और पार्टी की प्रमुख हस्तियों में से एक हैं। मगर, अप्रैल 2025 में कांग्रेस पार्टी के अहमदाबाद अधिवेशन जैसे सबसे महत्वपूर्ण सांगठनिक अवसर पर भी वे नहीं दिखीं। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भी वे नहीं थीं। वायनाड से सांसद चुने जाने के बाद प्रियंका के बारे में यह कहा जा रहा था कि लोकसभा में राहुल गांधी अब अकेले नहीं पड़ेंगे, लेकिन वक्फ बिल पर वोटिंग के लिए कांग्रेस की व्हिप के बावजूद प्रियंका संसद नहीं पहुंची। जबकि राहुल गांधी और सोनिया गांधी दोनों वोटिंग के दौरान मौजूद रहे। संसद में अपने बैग, उस पर लिखावट और उसके रंग तक से प्रियंका मीडिया में छाई रही थी। फिर भी प्रियंका का अचानक इस तरह से कम सक्रिय रहना और सांगठनिक मामलों में कमजोर दिखना, कांग्रेस में उनके एक बहुत बड़े समर्थक वर्ग और देश भर में उनके चाहने वालों को बहुत परेशान कर रहा है।

वैसे, प्रियंका गांधी की पब्लिक अपील ज्यादा होने के कारण राहुल गांधी के सलाहकारों में अपने नेता के प्रति असुरक्षा का भाव है, यह एक संवेदनशील सवाल है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि निश्चित तौर पर प्रियंका गांधी की पब्लिक अपील है और उनके करिश्माई व्यक्तित्व का प्रभाव भी लोगों में साफ दिखता हैं। इसी कारण राहुल गांधी के निजी रणनीतिकारों को पार्टी में प्रियंका गांधी को मुख्यधारा से थोड़ा सा परे रखना जरूरी लग रहा है। वे कहते हैं कि इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि राहुल गांधी के रणनीतिकारों को अक्सर प्रियंका की तुलना में राहुल की कम लोकप्रियता का एहसास होता हो। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक परिहार यह भी जोड़ते हैं कि हालांकि राहुल और प्रियंका रिश्ते में भाई झ बहन होने से दोनों के रिश्ते में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से ज्यादा एक-दूसरे के प्रति समर्थन की भावना भी प्रदर्शित होती रही है। फिर भी, राजनीति की दुनिया में असुरक्षा और प्रतिस्पर्धा सामान्य मानवीय भावनाएं हैं। वैसे, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह कहते हैं कि राहुल गांधी के करीबी नेता केवल राहुल को ही कांग्रेस के राजनीतिक केंद्र में रखना चाहते हैं। और यह बात सच है, क्योंकि राजनीतिक तर्क साफ है कि प्रियंका की अधिक सक्रियता से राहुल की ताकत कम हो सकती है, या उनके राजनीतिक ग्राफ पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। राजकुमार सिंह कहते हैं कि राहुल को कांग्रेस में निर्विवाद नेता के रूप में यदि स्थापित करना है, तो प्रियंका की सक्रियता को सीमित करने की जरूरत वाजिब है। कांग्रेस की राजनीति को गहराई से, जानने वाले राजनीतिक विश्लेषक संदीप सोनवलकर कहते हैं कि, राजनीतिक दलों में यह एक आम रणनीति होती है, जहां एक नेता को मजबूत करने के लिए दूसरे मजबूत नेता को थोड़ा पीछे रखा जाता है। कांग्रेस में हमेशा से ही गांधी परिवार का वर्चस्व रहा है, और राहुल गांधी को ही पार्टी के स्वाभाविक नेता के रूप में देखा जाता है। सोनवलकर के मुताबिक राहुल के इर्द-गिर्द उनके निजी वफादारों का एक ताकतवर समूह है जो राहुल की राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रयासरत रहता है।

सांसद तो खैर, प्रियंका गांधी वायनाड़ से नवंबर 2024 में बनी हैं, लेकिन औपचारिक रूप से 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने राजनीति में तब प्रवेश किया, जब उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया था। उनकी एंट्री को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया था। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार मानते हैं कि प्रियंका की भाषण शैली, करिश्माई व्यक्तित्व और उनकी दादी इंदिरा गांधी से समानताएं अक्सर चर्चा का विषय रही हैं। परिहार कहते हैं कि प्रियंका में भीड़ को आकर्षित करने और लोगों से भावनात्मक जुड़ाव बनाने की अद्भुत क्षमता है, जो उन्हें राहुल गांधी से कुछ मायनों में ज्यादा बड़ा नेता बनाती है। राजनीतिक विश्लेषक संदीप सोनवलकर भी मानते है कि उत्तर प्रदेश में, प्रियंका ने कई मुद्दों पर सक्रियता दिखाई, खासकर हाथरस गैंगरेप मामले और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान तथा अपनी यात्राओं में भी लोगों को लुभाने में सफल रहीं। प्रियंका ने योगी आदित्यनाथ सरकार के खिलाफ मुखरता से आवाज उठाई और पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की, जिससे उनकी छवि एक जुझारू नेता के रूप में उभरी। हालांकि, सोनवलकर यह भी कहते हैं कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसने उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल भी उठाए। पिछले कुछ समय से प्रियंका गांधी की राजनीतिक गतिविधियों में स्पष्ट कमी आई है। वह सार्वजनिक मंचों पर कम दिखाई देती हैं और पार्टी के महत्वपूर्ण निर्णयों या अभियानों में उनकी भूमिका पहले जैसी मुखर नहीं दिखती। प्रियंका गांधी को अब उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव पद से मुक्त कर दिया गया है। फिलहाल, वे पार्टी की महासचिव तो हैं, लेकिन उनके पास कोई संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। जिससे उनकी सार्वजनिक उपस्थिति में कमी आई है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि यह संभव है कि पार्टी अपने लोकप्रिय नेता प्रियंका गांधी को किसी और भूमिका के लिए तैयार कर रही हो, या फिर उन्हें एक रणनीतिक ब्रेक दिया गया हो। परिहार कहते हैं कि गांधी परिवार पर हमेशा से ही सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव रहा है। यह भी संभव है कि प्रियंका कुछ समय अपने परिवार को देना चाहती हों, या फिर कुछ व्यक्तिगत कारणों से उन्होंने अस्थायी रूप से सक्रिय राजनीति से दूरी बनाई हो। यह भी एक संभावना है कि कांग्रेस पार्टी ने एक रणनीति के तहत राहुल गांधी को ही पार्टी का मुख्य चेहरा बनाए रखने का निर्णय लिया हो। परिहार कहते हैं कि यदि ऐसा है, तो कांग्रेस को साफ संदेश देना चाहिए, ताकि प्रियंका की कम सक्रियता के बारे में जनता में कोई भ्रम न हो। हालांकि, लोकसभा चुनाव 2024 के बाद की स्थिति बदली है, राहुल गांधी ने रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों पर जीत हासिल की और एक मजबूत विपक्ष के नेता के रूप में उभरे हैं। इस स्थिति में, पार्टी का ध्यान राहुल गांधी की स्थिति को और मजबूत करने पर हो सकता है।

प्रियंका गांधी की मौजूदा राजनीतिक निष्क्रियता कई वजहों का परिणाम हो सकती है, जिनमें व्यक्तिगत कारण, संगठनात्मक बदलाव और पार्टी की आंतरिक रणनीतियां शामिल हैं। यह कहना मुश्किल है कि इसके पीछे राहुल गांधी की असुरक्षा का भाव कितना बड़ा कारण है, लेकिन यह निश्चित है कि कांग्रेस में राहुल गांधी को केंद्र में रखने की एक स्पष्ट रणनीति काम कर रही है। प्रियंका गांधी में एक मजबूत राजनीतिक क्षमता है और उनकी अनुपस्थिति निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए एक खालीपन पैदा करती है, खासकर उन राज्यों में जहां पार्टी संघर्ष कर रही है। भविष्य में उनकी भूमिका क्या होगी, यह देखना दिलचस्प होगा। क्या वह किसी नई और बड़ी जिम्मेदारी के साथ वापसी करेंगी, या फिर उनकी भूमिका पर्दे के पीछे से रणनीतिकार की रहेगी? समय ही बताएगा, लेकिन यह तय है कि प्रियंका गांधी जैसी शख्सियत को लंबे समय तक राजनीति से दूर रख पाना शायद ही संभव हो। क्योंकि प्रियंका का कांग्रेस की मुख्यधारा में रहना कार्यकताओं को एक नई ऊर्जा देता है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी को एक नई ताकत की जरूरत है और एक मजबूत और गतिशील नेतृत्व की भी। माना कि राहुल गांधी संवेदनशील हैं और उनमें बहुत मानवीय गुण हैं। मगर यहां मुकाबला चुनावी जीत का है, मजबूत नेतृत्व दिखाने का, बिखरती कांग्रेस को सहेजने का है। इसीलिए, सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी यह सब ठीक से कर पा रहे हैं?

संविधान की रक्षा में न्यायपालिका कहां कर रहा है चूक ?

-संजय सक्सेना

विविधताओं से भरे भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका को संविधान का सबसे बड़ा रक्षक माना जाता है। यह न केवल कानून की व्याख्या करती है, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा भी करती है,लेकिन क्या ऐसा करते समय न्यायपालिका से कहीं न कहीं चूक हो जाती है ? या फिर जानबूझ कर अथवा अंजाने में कुछ न्यायविद किसी मुकदमे में फैसला सुनाते समय व्यक्तिगत हो जाते हैं,जिसको लेकर विरोधाभास भी हो जाता है। जबकि राष्ट्रहित और आतंकवादी घटनाओं से जुड़े मामलों में न्यायपालिका का हस्तक्षेप कई बार विवादों को जन्म देता है। नया कृषि कानून, वक्फ बोर्ड संशोधन कानून में सुप्रीम कोर्ट की अति सक्रियता इसकी बड़ी मिसाल हैं। यह हस्तक्षेप कब रक्षक की भूमिका निभाता है और कब खतरनाक साबित हो सकता है, इसको लेकर अक्सर विवाद बना रहता है। आतंकवादियों को सजा सुनाने में देरी का मामला हो या फिर देश विरोधी ताकतों को अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर खुली छूट को कानूनी संरक्षण देना इसी श्रेणी में आता है। संसद द्वारा बनाये गये कानून को बेवजह लटका देना भी न्यायपालिका के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा बना रहता है।

यहां सेना के एक पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे के बयान का जिक्र करना जरूरी है,जो 22 अप्रैल को पहलगाम में 27 हिन्दुओं की आतंकवादियों द्वारा की गई सामूहिक हत्या के बाद सामने आया था। पांडे ने तब कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के जजों को पहलगाम जाना चाहिए, ताकि वे आतंकी हमले की वास्तविकता को समझ सकें. पांडे ने एक न्यूज एजेंसी को दिये इंटरव्यू में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में हस्तक्षेप किया, जिसके चलते सरकार और सेना के फैसलों में देरी हुई. उनके मुताबिक, जजों ने आतंकवाद से निपटने के लिए सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, जो इस हमले का एक कारण बने. पांडे ने कहा कि जजों को पहलगाम जाकर स्थानीय हालात, आतंकवाद का असर और सुरक्षाबलों की चुनौतियों को अपनी आंखों से देखना चाहिए. उन्होंने जोर दिया कि कोर्ट को केवल कानूनी नजरिए से नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत को समझकर फैसले लेने चाहिए. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में सरकार और सेना को स्वतंत्र रूप से काम करने दे.

गौरतलब हो,राष्ट्रहित एक व्यापक अवधारणा है, जिसमें देश की सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, सामाजिक समरसता और संप्रभुता शामिल हैं। आतंकवाद, जो वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर चुनौती है, राष्ट्रहित को सीधे प्रभावित करता है। आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए सरकारें कठोर कानून बनाती हैं, जैसे यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम) या एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम)। इन कानूनों का उद्देश्य त्वरित कार्रवाई और अपराधियों को दंडित करना होता है, लेकिन कई बार ये व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का माध्यम भी बन जाते हैं। यहीं से न्यायपालिका की भूमिका शुरू होती है, जो सरकार की कार्रवाइयों की संवैधानिकता की जांच करती है।

आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर न्यायपालिका का अति-हस्तक्षेप कई बार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। आतंकवादी गतिविधियां तेजी से बदलती है, और इनसे निपटने के लिए जांच एजेंसियों को त्वरित निर्णय लेने की स्वतंत्रता चाहिए। कई बार न्यायालयों के बार-बार के हस्तक्षेप से जांच प्रक्रिया बाधित होती है। उदाहरण के लिए, कुछ हाई-प्रोफाइल आतंकवादी मामलों में संदिग्धों को जमानत देना या सबूतों की स्वीकार्यता पर लंबी सुनवाई करना जांच को कमजोर कर सकता है। 2008 के मुंबई हमलों के बाद अजमल कसाब के मामले में न्यायिक प्रक्रिया को पूरा करने में वर्षों लग गए, जिससे कई सवाल उठे कि क्या ऐसी प्रक्रियाएं आतंकवाद से लड़ने में बाधा बनती हैं।

न्यायपालिका के हस्तक्षेप का एक और खतरनाक पहलू तब सामने आता है, जब यह कार्यपालिका के क्षेत्र में अतिक्रमण करती है। राष्ट्रहित से जुड़े मामलों, जैसे सीमा सुरक्षा या आतंकवाद-रोधी नीतियों में, कार्यपालिका को त्वरित और गोपनीय निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। यदि न्यायालय इन निर्णयों की बार-बार समीक्षा करने लगे, तो यह सरकार की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए, कुछ मामलों में यूएपीए के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत देने के निर्णय ने जांच एजेंसियों के मनोबल को कम किया। इससे यह धारणा बनी कि न्यायपालिका आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपना रही है, जो जनता के बीच अविश्वास पैदा कर सकता है।

दूसरी ओर, न्यायपालिका का यह तर्क है कि वह केवल संविधान की रक्षा कर रही है। आतंकवाद से लड़ने के नाम पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं हो सकता। कई बार जांच एजेंसियां जल्दबाजी में या राजनीतिक दबाव में बिना पर्याप्त सबूत के लोगों को हिरासत में ले लेती हैं। ऐसे में न्यायालय का हस्तक्षेप जरूरी हो जाता है। उदाहरण के लिए, हाल के कुछ मामलों में पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं और छात्रों को यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया, लेकिन न्यायालय ने पाया कि उनके खिलाफ ठोस सबूत नहीं थे। इन मामलों में न्यायपालिका ने न केवल व्यक्तियों की स्वतंत्रता बहाल की, बल्कि सरकार को यह संदेश भी दिया कि कानून का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस द्वंद्व का एक और आयाम है जनता का विश्वास। आतंकवादी घटनाओं के बाद जनता त्वरित न्याय की अपेक्षा करती है। यदि न्यायपालिका बार-बार संदिग्धों को जमानत देती है या जांच प्रक्रिया में देरी होती है, तो यह जनता के बीच यह धारणा बना सकता है कि न्याय व्यवस्था कमजोर है। दूसरी ओर, यदि न्यायपालिका बिना पूरी जांच के कठोर सजा दे, तो यह निर्दोष लोगों के साथ अन्याय कर सकता है, जिससे समाज में असंतोष बढ़ेगा। दोनों ही स्थितियां लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं।

बहरहाल, इस समस्या का समाधान तभी संभव है, जब न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच बेहतर समन्वय हो। आतंकवाद से निपटने के लिए कानून बनाते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि वे संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन न करें। जांच एजेंसियों को और अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होगा, ताकि उनके कार्यवाही पर सवाल न उठें। साथ ही, न्यायपालिका को यह समझना होगा कि राष्ट्रहित और आतंकवाद जैसे मामलों में उसका हस्तक्षेप संतुलित होना चाहिए। अति-हस्तक्षेप से न केवल जांच प्रक्रिया बाधित होती है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा भी बन सकता है। वैसे सिक्के का दूसरा पहलू भी है। न्यायपालिका का हस्तक्षेप कई मामलों में राष्ट्रहित की रक्षा करता है। जब सरकार या जांच एजेंसियां बिना ठोस सबूत के किसी व्यक्ति को आतंकवादी गतिविधियों के लिए हिरासत में लेती हैं, तो न्यायालय उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। 1990 के दशक में टाडा (आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां निवारण अधिनियम) के दुरुपयोग के कई मामले सामने आए, जहां निर्दोष लोग लंबे समय तक जेल में रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने कई ऐसे मामलों में हस्तक्षेप कर न केवल निर्दोषों को रिहा किया, बल्कि सरकार को कड़े कानूनों के दुरुपयोग पर चेतावनी भी दी। यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की रक्षा करता है, क्योंकि बिना सबूत के हिरासत नागरिकों के विश्वास को कमजोर करती है।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रहित और आतंकवादी घटनाओं से जुड़े मामलों में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपने हस्तक्षेप में कितना संतुलन बनाए रखती है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि न्यायपालिका को राष्ट्रहित के किसी मामले में संतुलन, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा, ताकि लोकतंत्र और देश की सुरक्षा दोनों बनी रहें।

डॉक्टर हेमंत सांवरा ने किया टीआरटीआई की वार्षिक योजना एवं नियोजन पुस्तिका का विमोचन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरटीआई), पुणे की वार्षिक योजना एवं नियोजन पुस्तिका का आज मंत्रालय में विमोचन किया गया। यह योजना पुस्तिका आदिवासी योजनाओं की समुचित योजना एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपयोगी होगी।

इस अवसर पर सांसद हेमंत सावरा, विधायक भीमराव केराम, विधायक संजय पुरम, आदिवासी शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के आयुक्त समीर कुताकोटी उपस्थित थे। यह योजना पुस्तिका आगामी वर्ष के लिए टीआरटीआई के शोध, प्रशिक्षण, मूल्यांकन एवं नीतिगत पहलों का विस्तृत विवरण प्रदान करती है। यह योजना विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शक का काम करेगी। यह कार्य योजना कार्य में तेजी लाने और सभी कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने में सहायक होगी।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स जीत कुने-डो चैंपियनशिप प्रतियोगिता में ब्रेवयूथ मार्शल आर्ट्स खिलाडियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ग्लोबल वर्ल्ड स्पोर्ट्स जीत कुने-डो फेडरेशन के तत्वावधान में राजेन्द्र कुमार गिहारा (सर) के नेतृत्व में यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता मुंबई के शाहाजी राजे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अंधेरी में आयोजित की गई थी । इस प्रतियोगिता में अफगानिस्तान, नेपाल आदि देशों के साथ भारत के अलग अलग राज्यों से कुल 890 कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था । प्रतियोगिता में भिवंडी शहर से ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के खिलाड़ियों ने काता कुमिते में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 7 स्वर्ण और 1 रजत पदक हासिल किया । विजेता खिलाडियों को प्रसस्ती-पत्र व पदक देकर सम्मानित किया गया । विजेता खिलाडियो में धैर्य प्रभाकर नाइक , उदय सदानंद गेंट्याला , प्रज्वल प्रदीप माने , कुलदीप महेश गोहिल आदि खिलाड़ी शामिल थे । वहीं कराटे मास्टर राजाराम देवासानी , अशोक देवासानी , मिथुन भोई , भारत देवासानी , सपना यादव , धैर्य नाईक को सनातन राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सफलता एक बार फिर ‡ब्रेव यूथ‡ की प्रेरणा , मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण बनी।

मनिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस पूर्वी भारत मे बढाएगी अपना विस्तार

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, मनिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस पूर्वी भारत में अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। फिलहाल पूर्वी क्षेत्र में 10,000 से अधिक सलाहकारों के साथ 42 शहरों में मौजूद, कंपनी अपनी रिटेल उपस्थिति, शाखा नेटवर्क को दोगुना करने और 10,000 सलाहकारों को शामिल करने की योजना बना रही है। यह कदम पूरे क्षेत्र में कंपनी की शानदार वृद्धि के बाद उठाया जा रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 में लिखित सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम (जीडीपीडब्ल्यू) में 130+ करोड़ दर्ज किए, जिसमें पश्चिम बंगाल ने ?55 करोड़ से अधिक का योगदान दिया। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, स्टैंडअलोन (एकल) स्वास्थ्य बीमाकताओं ने मई 2025 में साल-दर-साल के आधार पर लगभग 10% की वृद्धि दर्ज की। मनिपालसिग्ना ने 43% प्रीमियम वृद्धि के साथ इस क्षेत्र को पीछे छोड़ दिया, जो एसएएचआई कंपनियों में सबसे अधिक है। इससे इसकी मजबूत क्षेत्रीय रणनीति और ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाला प्रोडक्ट डिजाइन रेखांकित होता है। कंपनी ने पिछले तीन साल में, पूर्वी भारत के स्वास्थ्य दावों में 200 करोड़ का भुगतान किया, जिसमें अकेले पश्चिम बंगाल में 80 करोड़ का दावा निपटान शामिल हैं, जो चिकित्सा आवश्यकता के समय एक विश्वसनीय भागीदार होने की इसकी प्रतिबद्धता स्पष्ट करता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपनाएं कैलिफोर्निया बादाम - प्रोटीन का प्राकृतिक स्रोत

मुंबई/पटना। हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों की याद दिलाता है। योग अपने आप में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन जब इसे संतुलित और पोषक आहार के साथ जोड़ा जाए, तो इसका असर और भी बेहतर होता है। ऐसे आहार में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल जैसे जरूरी पोषक तत्व होने चाहिए। इनमें से प्रोटीन शरीर की मजबूती और मांसपेशियों की देखभाल के लिए सबसे अहम है। प्रोटीन के प्राकृतिक स्रोतों में बादाम एक आसान, स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प है, जो योग अभ्यास के दौरान शरीर की ऊर्जा बनाए रखने और थकान कम करने में मदद करता है। रोजाना बादाम खाने से आपका योग अभ्यास और भी सशक्त बन सकता है। बादाम, जिन्हें अक्सर ड्राय फ्रूट्स का राजा कहा जाता है, पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें 15 जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं और यह शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। एक हालिया रिसर्च में डॉ. मार्क कर्न ने पाया कि रोजाना बादाम खाने से एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों को कम नुकसान होता है और रिकवरी तेज होती है। वहीं, डॉ. ओलिवर विटार्ड की एक अन्य स्टडी बताती है कि वर्कआउट से पहले बादाम का सेवन मांसपेशियों की अकड़न को कम करता है और प्रदर्शन बेहतर बनाता है। यही कारण है कि योग या किसी भी तरह की एक्सरसाइज के साथ बादाम एक बेहतरीन साथी हो सकते हैं, जो शरीर को अंदर से ताकत और ऊर्जा देते हैं।

बोईसर शहर के वरद अस्पताल में मुफ्त डायलिसिस सेन्टर की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर क्षेत्र में जरूरतमंद मरीजों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में मुफ्त डायलिसिस केंद्र का शुभारम्भ किया गया। यह केंद्र स्व.तारामती व हरिश्चंद्र वामन ठाकुर चैरिटेबल ट्रस्ट,विरार एवं वरद मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल, बोईसर के संयुक्त तत्वाधान में शुरू किया गया है।इस केंद्र का उद्घाटन सौ.हेमाताई दीपक ठाकुर, विश्वस्त,स्व.तारामती व हरिश्चंद्र वामन ठाकुर चैरिटेबल ट्रस्ट,विरार के द्वारा वरद मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल,बोईसर मे किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती ठाकुर ने कहा कि उनके ट्रस्ट को बोईसर मे डायलेसिस सेंटर के लिए आवश्यक मशीने देकर बहुत प्रसन्नता है।श्रीमती ठाकुर ने कहा कि उनके ट्रस्ट की इच्छा है कि ज्यादा से ज्यादा जरुरतवाली जगहों पर ऐसे डायलेसिस सेंटर खोले जांय जिससे जरुरत वाले मरीजों को डायलेसिस के लिए दूर दराज नहीं जाकर परेशानी ना उठानी पड़े। विशेष अतिथि के रूप में डॉ.संतोष चौधरी,जिला स्वास्थ्य अधिकारी, पालघर ने इस मुफ्त डायलेसिस सेंटर को बोईसर, पालघर और डहाणू आदि क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। इस कार्यक्रम के आयोजक डॉ.साईदास लिंगनवाड (टऊ मेडीसिन)ने सभी मान्यवरों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया तथा जनहित में इस डायलेसिस सेंटर को चलाने का अश्वासन दिया।इस मौके पर वरद अस्पताल के डॉ.नचिकेत देसाई (नेफ्रोलॉजिस्ट), डॉ.इस्तियाक शेख , डॉ.निशान्त द्विवेदी तथा डॉ.कपिल माने सहित वरद हॉस्पिटल की पूरी टीम मौजूद रही।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया।आयोजकों ने सभी से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक मरीजों को इस सुविधा की जानकारी दें ताकि इसका लाभ अधिक से अधिक जरुरतमन्द लोगों तक पहुंच सके।इस अवसर पर वसई-विरार महानगर पालिका के पूर्व पार्षद प्रफुल साने, खैरेपाड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच विवेक वड़े,शिव शक्ति सामाजिक संगठन प्रमुख व वरिष्ठ भाजपा नेता संजय पाटील, भाजपा नेता अंकुर राऊत आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान मनसे नेता समीर मोरे, बोईसर के प्रभारी सरपंच नीलम संखे बोईसर-पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, भाजपा नेता प्रशांत संखे, बजरंगदल (गौ रक्षा दल) कोकण विभाग के अध्यक्ष चन्दन सिंह, राजस अपार्टमेंट हाऊसिंग सोसायटी के चेयरमैन प्रकाश संखे सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि वरद अस्पताल में पहले से ही जरूरतमन्द मरीज केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ ले रहे है ।

अब मुफ्त डायलेसिस का फायदा भी क्षेत्र के जरुरतमन्द मरीज उठा सकेंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुफ्त डायलेसिस सेंटर में विशेषज्ञ व अनुभवी डॉक्टर द्वारा एन ए बी एच मनाँकन प्राप्त अस्पताल में 24 घंटे अत्यावश्यक सेवा दी जाती हैं ।

जन समस्याओं को लेकर पुलिस अधिकारी से मिले मनीष दुबे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दहिसर पश्चिम वार्ड क्रमांक 1 स्थित गणपत पाटील नगर की जन समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गट के प्रवक्ता मनीष दुबे अपने कार्यकताओं के साथ एमएचबी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश पवार से मुलाकात की।

एक महीने पहले गणपत पाटील नगर गली नंबर 14 में हुए ट्रिपल हत्याकांड मामले और अन्य विषयों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को ज्ञापन भी दिया गया। ताकि गणपत पाटील नगर में लॉ एंड ऑर्डर की कोई समस्या प्रकट न हो। इनमे ड्रग्स गांजा और नशीली पदार्थ बेचने वाले लोगों पर नकेल कसने की बात कही गई। साथ ही जमीन कब्जा करने वाले, लाइट चोरी जैसी घटनाओं के बारे में चर्चा की गई।

तारापूर एमआईडीसी कार्यालय में भ्रष्टाचार के आरोप, भ्रष्ट अधिकारियों के तबादले की मांग

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के तारापूर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमआईडीसी और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) के तारापूर कार्यालय में कार्यरत कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके तबादले की मांग की गई है। यह मांग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नागपुर स्थित सचिवालय में एक निवेदन देकर की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार एमआईडीसी तारापुर विभाग के क्षेत्रीय सर्वेयर विठ्ठल त्रिमूखे पिछले आठ से नौ वर्षों से एक ही पद पर कार्यरत हैं। स्थानीय उद्योगपतियों ने आरोप लगाया है कि त्रिमूखे निरीक्षण और रिपोर्ट के नाम पर बड़ी मात्रा में अवैध वसूली करते हैं, जिससे उद्योग जगत में असंतोष व्याप्त है। शिकायतों के बावजूद उनका तबादला न होना उच्च अधिकारियों के संरक्षण की ओर इशारा करता है। आरोपों के अनुसार, वे खुले तौर पर कहते हैं कि ‡मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री से शिकायत करो, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसी प्रकार एमपीसीबी तारापूर-1 के उप प्रादेशिक अधिकारी राजू वसावे का भी नाम विवादों में है। सूत्रों का कहना है कि उनका तबादला गत वर्ष अमरावती के लिए हुआ था, लेकिन अपनी पसंदीदा नियुक्ति न मिलने के कारण उन्होंने कथित रूप से पैसे देकर तबादला रुकवा लिया। अब फिर से वे कल्याण स्थानांतरण की कोशिश कर रहे हैं। एमपीसीबी विभागीय क्षेत्र अधिकारी विश्वजीत

सोरगे पर भी उद्योगपतियों को डराने-धमकाने और हफ्ता वसूली के आरोप हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने पूर्व में भी नांदेड के एक विधायक की सिफारिश से तबादला रुकवाया था और इस बार फिर सिफारस एमपीसीबी मुख्यालय में प्रस्तुत की गई है। इस प्रक्रिया में सदस्य सचिव राजेंद्र आंधले के सहयोग की भी चर्चा है। सूत्रों के अनुसार सोरगे कुछ कंपनियों से नियमित मासिक वसूली करते हैं। उद्योगपतियों की ओर से एमपीसीबी तारापूर-2 के वाहन चालक शैलेश लहांगे पर भी अनुचित गतिविधियों में संलिप्त रहने के आरोप लगाए गए हैं और उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की मांग की गई है। स्थानीय उद्योगपतियों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि इन अधिकारियों के कारण तारापूर औद्योगिक क्षेत्र की छवि धूमिल हो रही है तथा औद्योगिक विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से इन सभी विवादित अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला कर नए ईमानदार अधिकारियों की नियुक्ति की जाए।

दांडी गांव में प्राकृतिक आपदा से नुकसान, शिवसेना ने पहुंचाई तात्कालिक मदद

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर तहसील के दांडी गांव में हाल ही में आई तेज आंधी-तूफान और मूसलधार बारिश के कारण गांव के 29 घरों को भारी नुकसान पहुंचा। कुछ घरों की छतें उड़ गईं तो कई घरों के अंदर की वस्तुएं पूरी तरह नष्ट हो गईं। इस प्राकृतिक आपदा से पीड़ित ग्रामीणों को शिवसेना ने त्वरित सहायता प्रदान की है। गांववासियों द्वारा नुकसान की जानकारी शिवसेना के जिलाध्यक्ष कुंदन संखे को दी गई। इसके बाद संखे ने बिना विलंब किए दांडी गांव का दौरा किया और नुकसान झेल रहे 29 परिवारों को राहत देने हेतु स्वयं उपस्थित होकर छत के लिए आवश्यक पत्रों का वितरण किया। साथ ही उन्होंने

आश्वासन दिया कि किसी भी संकट की घड़ी में शिवसेना उनके साथ खड़ी है। जहां अधिकांश राजनीतिक दल चुनाव के समय ही सक्रिय नजर आते हैं, वहीं इस आपदा के समय शिवसेना द्वारा की गई यह त्वरित और प्रत्यक्ष सहायता गांववासियों के लिए राहत का बड़ा कारण बनी। दांडी के लोगों ने जिलाध्यक्ष कुंदन संखे की सराहना करते हुए शिवसेना के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिवसेना की जिला संघटिका वैदेही वाढाण, दांडी के शिवसेना कार्यकर्ता कुंदन दवणे, संजय आक्रे, दांडी सोसायटी के चेयरमैन नंदकुमार तामोरे, वाइस चेयरमैन राजेंद्र पागधरे, सुरेश मेस्त्री, संजय तामोरे, देवेंद्र केणी, अवधूत तामोरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बोईसर में बिजली की समस्या को लेकर मनसे ने अपनाया आक्रामक रुख

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर में पिछले कई दिनों से जारी बिजली कटौती और वोल्टेज की समस्या को लेकर मंगलवार 17 जून 2025 को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रतिनिधिमंडल ने आक्रामक रुख अपनाते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईबी) के उप कार्यकारी अभियंता नरेंद्र साहेब से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने बोईसर शहर, दंडीपाड़ा तथा धनानीनगर समेत आसपास के क्षेत्रों में बार-बार बिजली गुल होने और वोल्टेज में भारी उतार-चढ़ाव की गंभीर

शिकायतें दर्ज कराई। इसके अलावा रानीशिगांव में बिजली के कंडक्टर गिरने से एक गाय की मृत्यु होने और खंभों के जर्जर हालत को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की गई। बातचीत के दौरान उप अभियंता नरेंद्र साहेब ने मनसे को आश्वासन दिया कि अगले तीन दिनों के भीतर सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा और महावितरण के अधिकारी व कर्मचारी तत्परता से कार्य करेंगे।

इस अवसर पर मनसे उप-तालुका अध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा, महिला सेना से रेशमा ताई जगताप, महाराष्ट्र सैनिक तन्मय काशीनाथ संखे, सारावली शाखा अध्यक्ष मितेश राऊत, धनानीनगर शाखा अध्यक्ष मोनू शर्मा, रानीशिगांव शाखा अध्यक्ष रूपेश धोड़ी, उपविभाग अध्यक्ष वसंत तरसे, भीमनगर शाखा अध्यक्ष भूषण पाटील, सुयोग संखे, जिदनेश मूरकर, राहुल मिश्रा, शिवम शुक्ला समेत बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

भिवंडी मनपा द्वारा जल एवं मल कर वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर लगाया ताला

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन द्वारा जल एवं मल कर में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुये मनपा के मुख्य गेट पर लगाया ताला । बतादें कि भिवंडी वासियों की आवासीय संपत्तियों पर 15 प्रतिशत और व्यावसायिक संपत्तियों पर 23 प्रतिशत की कर वृद्धि से भिवंडी के नागरिकों में रोष की लहर दौड़ गई है । इसके खिलाफ नागरिकों की तीव्र भावनाओं को व्यक्त करने के लिए भिवंडी शहर अध्यक्ष एडवोकेट रशीद ताहिर मोमिन के नेतृत्व में कांग्रेस ने शाम करीब 4 बजे भिवंडी महानगरपालिका मुख्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया । वहीं नाराज कांग्रेस पदाधिकारियों ने मनपा मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर ताला लगा दिया और वहीं पर महानगरपालिका प्रशासन के विरोध में एक बैठक की है । इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व सांसद सुरेश टावरे , वरिष्ठ नेता

तारिक फारूकी , सोहेल खान , रुकसाना कुरैशी , आर सी आजमी सहित कई पदाधिकारी , पूर्व नगरसेवक और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल उपस्थित थे । महानगरपालिका प्रशासन ने चालू वर्ष के घरपट्टी के साथ जल एवं मल कर में भी वृद्धि कर दी है और घरपट्टी वसूली के लिए बिल जारी कर दिए हैं । इससे शहर के नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है । ज्ञात हो कि मनपा प्रशासन ने 2011 में भी यह दर बढ़ाई थी नगरसेवकों के विरोध के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था । 11 फरवरी को मनपा प्रशासन के मुख्य प्रशासक आयुक्त ने इस दर वृद्धि को फिर से लागू कर दिया है जबकि प्रशासकों को इस तरह की कोई भी दर बढ़ाने का अधिकार नहीं है । एडवोकेट रशीद ताहिर मोमिन ने बताया कि अगले कुछ महीनों में मनपा चुनाव होने के बाद जनप्रतिनिधि इस पर निर्णय लेंगे । तब तक कांग्रेस शहर अध्यक्ष राशिद ताहिर मोमिन ने मनपा प्रशासन से तत्काल इस दर वृद्धि को स्थगित करने की मांग की है।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने सीरीज ए फंडिंग राउंड को 100 करोड़ रुपये में किया पूरा

मुंबई। भारत की घरेलू और रिसर्च-बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक (ड्डील्ल ए्'ी३ॢ) ने मई 2025 में 50 करोड़ रुपये की और फंडिंग जुटाई है। यह फंडिंग कंपनी की सीरीज ए राउंड का ही विस्तार है। इससे पहले जनवरी 2025 में भी कंपनी ने 50 करोड़ रुपये जुटाए थे। यानी अब तक सीरीज ए राउंड में कुल 100 करोड़ रुपये और अब तक ओबेन इलेक्ट्रिक ने कुल 200 करोड़ रुपये की फंडिंग हासिल कर ली है। इस बार की फंडिंग में हेलिओ होल्डिंग, शारदा फैमिली ऑफिस, कै फैमिली और कई नए व मौजूदा इन्वेस्टर्स ने हिस्सा लिया। इस फंडिंग से यह साफ है कि इन्वेस्टर्स को ओबेन इलेक्ट्रिक की लगातार ग्रोथ, प्रोडक्ट की क्वालिटी, स्ट्रोंग फाइनेंशियल परफॉर्मेंस और इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में इसकी लीडरशिप पर पूरा भरोसा है। ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, 'एक्सटेंडेड सीरीज ए फंडिंग हमारे इन्वेस्टर्स का हम पर भरोसा दिखाती है, और यह ऐसे समय पर आई है जब पूरे देश में हमारी ग्रोथ तेज हो

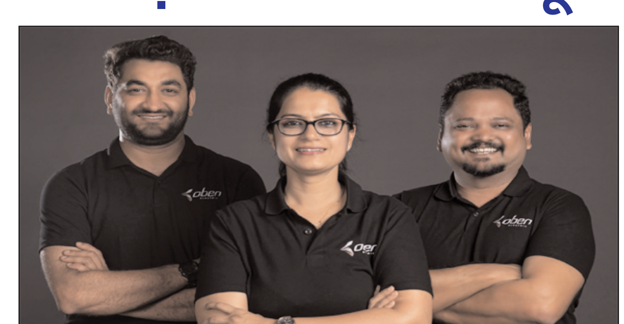

रही है। हम सिर्फ अपने रिटेल नेटवर्क को ही नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि 'ड100' जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए इनोवेशन पर भी फोकस कर रहे हैं, जिसका मकसद आम लोगों के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को सुलभ बनाना है। हमारी पूरी तरह से वर्टिकली इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी और मजबूत सप्लाई चेन के साथ यह फंडिंग हमें एक नए लेवल की ग्रोथ, इम्पैक्ट और अवसरों के लिए तैयार करेगी।'इस नई फंडिंग से ओबेन इलेक्ट्रिक की ग्रोथ और भी तेज होगी। कंपनी अब वित्त वर्ष 26 तक 50 से ज्यादा शहरों में 150 से ज्यादा शोरूम खोलने की योजना को तेजी से आगे बढ़ाएगी। साथ ही, ओबेन अब अपनी नई ड100 प्लैटफॉर्म पर भी काम तेज करेगा, जिसके तहत 1 लाख रुपये से कम कीमत की किफायती इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लॉन्च की जाएगी। इसके अलावा, बेंगलुरु स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उत्पादन बढ़ाया जाएगा और देशभर में आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क को भी और मजबूत किया जाएगा।

शुरूआती सीरीज ए फंडिंग के बाद ओबेन इलेक्ट्रिक ने बहुत तेजी से ग्रोथ की और अब तक 13 राज्यों के 26 शहरों में 37 रिटेल आउटलेट खोल लिए हैं। कंपनी ने पंजाब, गुजरात, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे अहम बाजारों में एंट्री ली है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

वैश्विक समरसता और शांति का माध्यम है योग: कुलपति

◆ जीवन प्रबंधन का महत्वपूर्ण उपकरण है योगः डॉ.स्वरूप

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'ज्ञान और अनुभव का संगम' का हुआ आयोजन

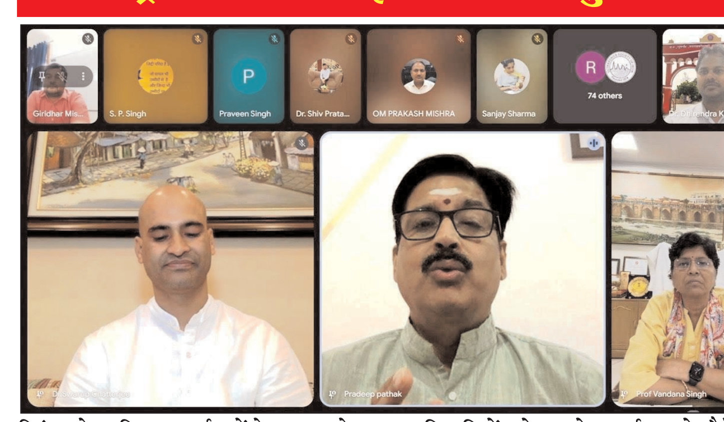

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा एक दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'ज्ञान और अनुभव का संगम' का आयोजन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत सहित अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जर्मनी से लोगों ने प्रतिभाग किया। जिनमें शिक्षाविद, शोधार्थी, योग विशेषज्ञ और विद्यार्थी शामिल थे।

यह संगोष्ठी उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के निर्देशन में 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' अभियान के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य योग की भारतीय परंपरा को वैश्विक संदर्भ में प्रस्तुत करते हुए आधुनिक बौद्धिक विमर्श से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह कहा कि ₹योग तन, मन और आत्मा का समन्वय है, जो न केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण बल्कि वैश्विक समरसता और शांति का माध्यम भी है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय निरंतर योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से इस परंपरा को प्रोत्साहित कर रहा है।

संगोष्ठी में इंटरनेशनल फैकल्टी, आर्ट ऑफ लिविंग, वियतनाम के डॉ. स्वरूप चटर्जी ने 'योगः एक वैश्विक जीवनशैली' पर व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों को सूक्ष्म योग का प्रशिक्षण भी प्रदान किया। उन्होंने योग को मानसिक स्वास्थ्य और जीवन प्रबंधन का महत्वपूर्ण उपकरण बताया। साथ ही साथ प्रतिभागियों को अपने कार्यालय मे बैठे-बैठे सूक्ष्म योग का प्रशिक्षण दिया ।

सीनियर फैकल्टी, आर्ट ऑफ लिविंग, लखनऊ के श्री प्रदीप कुमार पाठक ने 'योग की भारतीय परंपरा और समकालीन समाज में इसकी भूमिका' पर अपने विचार रखते हुए ध्यान, प्राणायाम और सकारात्मक चिंतन को जीवन के लिए अनिवार्य बताया। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि योग तनाव प्रबंधन का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत वक्तव्य में युवाओं में योग के प्रति जागरूकता को आवश्यक बताया। समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. राज बहादुर यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि विभागाध्यक्ष, व्यावसायिक अर्थशास्त्र प्रो. मानस पाण्डेय ने विषय प्रवर्तन में योग को 'ज्ञान और अनुभव का संगम' बताया।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रो. गिरिधर मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. धीरेन्द्र चौधरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. मंजू सिंह (विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना), डॉ. समरदीप सक्सेना (क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस), प्रो. बी. डी. शर्मा, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. रशिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पाण्डेय, डॉ० शशिकांत और डॉ. अनुराग मिश्र सहित अन्य शिक्षक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी की उपस्थित रहे।

जौनपुर के युवक से सुल्तानपुर में बिजली विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जेई और दो शिक्षकों पर दर्ज हुआ मुकदमा

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के भटपुरा गांव निवासी एक बेरोजगार युवक को नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लाख की ठगी कर लेने के आरोप में दो शिक्षकों व विद्युत विभाग के एक जेई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कोस्तुभ के आदेश पर की गई है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है। गांव निवासी बब्लू कुमार पुत्र हरिराम का आरोप है कि वह पढ़ा लिखा बेरोजगार है। वह नौकरी की। तलाश में भटक रहा था। किसी माध्यम से उसकी मुलाकात अमेठी जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र के जुड़ियापुर गांव निवासी शिक्षक द्वय अनिल तिवारी व उनके पड़ोसी शोभित उर्फ उज्जवल तिवारी से हुई। दोनों उसे लेकर सुल्तानपुर जिले के अखंडनगर पावर हाउस पर तैनात जेई जियालाल के पास ले गए वहां उसने कहा कि नौकरी के लिए दस से पंद्रह लाख खर्च होगा। पैसा देने के बाद नियुक्ति पत्र दे दिया जाएगा। उसे छह लोगों का नियुक्ति पत्र भी दिखाया गया। जेई की बातों पर विश्वास कर बब्लू ने अनिल तिवारी के खाते में अप्रैल 2019 मे चार बार में 11 लाख रूपए भेज दिया।बब्लू का आरोप है कि एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद वह नियुक्ति पत्र मांगा तो उसे आज कल करके टालते रहे। माह के बाद वर्ष बीतते गए। लेकिन उसे नियुक्ति पत्र नहीं मिला। आरोप है कि बीते 11 अप्रैल को जब वह अपना पैसा वापस मांगने अनिल तिवारी के घर गया तो वहां शोभित तिवारी भी आ गये। दोनों ने उसे धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दिया। वह जान बचाकर भागने लगा तो उसे फिर पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी खुटहन को मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई को आदेशित किया।

ट्रेनों के ठहराव की समस्या से राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराते हुए कराएंगे समाधान: राकेश मौर्य

सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने जूस पिलाकर तुड़वाया अनशन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा एवं सराय हरखू रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव को लेकर ब्लॉक परिसर में गांधी प्रतिमा के समक्ष 13

जून से आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता अमरनाथ साथी एवं क्षेत्रवासियों से सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं पूर्व विधायक पर जिला अध्यक्ष लाल बहादुर यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मिलकर क्षेत्र वासियों की समस्याओं से अवगत हुआ। तत्पश्चात जिलाधिकारी दिनेश चंद से वार्ता कर क्षेत्र वासियों की समस्या से अवगत कराते हुए समस्या के समाधान की मांग की।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य एवं पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव ने कहा कि ट्रेनों की ठहराव की समस्या हेतु आपके मांग पत्र से राष्ट्र समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अवगत कराते हुए समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य श्याम बहादुर पाल ने भी मांग पत्र लेकर विभागीय स्तर पर इस समस्या का समाधान कराया जाने की बात कही।

ट्रेनों के ठहराव को लेकर आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता अमरनाथ साथी एवं क्षेत्र वासियों ने बताया कि बक्शा एवं सराय हरखुपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र अंतर्गत 70 गांव जिसकी आबादी एक लाख है आते हैं तथा 10 प्रमुख बाजारों भी हैं जहां से व्यावसायिक शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियां संचालित होती है ट्रेनों के ठहराव न होने के कारण व्यवसायिक शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों में अवरोध उत्पन्न होता है ऐसे में बक्शा रेलवे स्टेशन पर शटल 'वरुणा' एक्सप्रेस ट्रेन एवं मेमो एक्सप्रेस का ठहराव तथा सरायहरखू रेलवे स्टेशन पर फरक्का गंगा जमुना एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव अति आवश्यक है। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल द्वारा वार्ता के क्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर बीडीओ बक्सा ब्लॉक ने पहुंच कर सामाजिक कार्यकर्ता आमरण अनशनकारी अमरनाथ साथी से मांग पत्र लेकर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता अमरनाथ साथी ने कहा कि 3 महीने के अंतर्गत यदि इस समस्या का समाधान ना हुआ तो हम क्षेत्रवासी इस आंदोलन को पुनः करने के लिए बाध्य होंगे।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य पूर्व जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राज बहादुर यादव, जिला कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, जिला सचिव गुलाब यादव रीठी, प्रदीप पाल सहित अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोगों क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही।

दिव्यांग बच्चों के बीच हुआ योगा कार्यक्रम

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज जिला अधिकारी के आदेशानुसार जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला की देख रेख में हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा में दिव्यांग बच्चों के साथ योगा कार्यक्रम कराया

गया जिसमें जिले नामित चिकित्सा अधिकारी बक्शा विवेक द्विवेदी योग प्रशिक्षक विवेक तिवारी योग प्रशिक्षिका अनीता यादव रही संस्थान प्रबन्धक विनोद कुमार माली द्वारा विवेक द्विवेदी का बुके व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया योग प्रशिक्षकों द्वारा दिव्यांग बच्चों के बीच योगा कराया योग प्रशिक्षिका अनीता यादव ने बताया कि योग हर व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी। है चाहे वह सामान्य व्यक्ति हो या दिव्यांग व्यक्ति हो योग करने से कई रोगों का निवारण होता हैं व्यक्ति शारीरिक स्वस्थ रहता है। बीमार कम पड़ता है शारीरिक स्वस्थ रहने से मन प्रसन्न रहता है योग प्रशिक्षकों ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के बीच पहली बार योगा कराने का अवसर मिला है।अब महीने में एक बार इन दिव्यांग बच्चों को योगा कराने आऊंगा मौके पर संस्थान उपाध्यक्ष राम अवतार माली संस्थान संचालक डॉ प्रमोद कुमार सैनी, संदीप यादव, प्रदीप यादव, जितेन्द्र मौर्या जिलेदार विश्वकर्मा, मनोज माली, सोनम यादव मंजू प्रजापति, पूनम उपाध्याय, प्रिया शिवम सैनी सत्या समस्त स्टॉप व दिव्यांग बच्चे उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर किया गया ग्राम चौपाल का आयोजन

मुहम्मद आरिफ

सिधौना,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी आजमगढ़ के शक्ति केंद्र बरवां बूथ नंबर 401व 402 विकसित भारत का अमृत काल एम एलसी प्रतिनिधि अनुराग तिवारी ग्राम बरवां के नेतृत्व में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में

भारत सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताया गया। जिसमें मुख्य वक्ता एमएलसी प्रतिनिधि अनुराग तिवारी, मंडल अध्यक्ष तरवां बृजेश सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सुरेश प्रजापति, मंत्री वरुण पांडेय, पूर्व महामंत्री व शक्ति केंद्र व बरवां राम प्रताप यादव, डॉ अवधेश कुमार सिंह, पप्पू शर्मा एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार फिर एक बार कहर बनकर टूटा जिसमे एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि एक बुरी तरह घायल है। बताया जाता है की कोतवाली क्षेत्र के मानपुर सबरहद निवासी 30 वर्षीय हरेंद्र गौतम पुत्र बच्चूलाल गौतम एवं 28 वर्षीय सुजीत कुमार पुत्र कांता प्रसाद निवासी सबरहद बुधवार की सुबह अपनी बहन के घर अर्सियाँ से एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर सबरहद वापस आ रहे थे कि रास्ते मे बड़ौना के पास एक चार पहिया वाहन से से सीधी टक्कर हो गयी।जिससे हरेंद्र गौतम की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि पीछे बैठे सुजीत कुमार बुरी तरह घायल हो गया। आनन फानन में 108 एम्बुलेंस के द्वारा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतू सुजीत कुमार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुंची कोतवाली पुलिस ने आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद मृतक हरेंद्र गौतम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतू जिला अस्पताल भेज आगे की कार्यवाई में जुट गई।

कपसेठा गाँव मे जाँच का इंतजार करते रहे शिकायतकर्ता, नहीं पहुंची टीम

लालगंज,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के लालगंज ब्लॉक स्थित कपसेठा ग्राम सभा मे शिकायतकर्ता जगदीश कुमार बीडीसी मनीष कुमार द्वारा कई बिंदु पर शिकायत किया गया था ।जिसमे जाँच टीम द्वारा जाँच के लिए जिले से

आने वाले अधिकारियों का लगभग 100 की संख्या मे ग्रामीणों ने 4-5 घंटे इंतजार किया ।मगर अंत मे नतीजा यह सामने आया की जाँच टीम मौके पर नहीं पहुंच सकेगी ।वही शिकायतकर्ता नें जाँच बिंदु पर प्रकाश डालते हुए बताया की कपसेठा ग्राम प्रधान द्वारा बहुत ही ज्यादा घोटाला किया गया है ।ग्राम सभा में एक भी ढंग का रोड नहीं और नहीं नाली है जो नाली है उसकी सफाई भी नहीं हुई ।वही गांव के लोग और शिकायतकर्ता ने क्या कहा इस सुनते हैं ।आपको इस अवसर पर कपसेठा निवासी शिकायतकर्ता जगदीश कुमार, बीडीसी मनीष कुमार, सिकंदर, प्रकाश, नवीन कुमार, कुंदन कुमार, आशीष सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

ट्रक-कार की टक्कर के बाद ट्रक के चालक-खलासी को जबरन गोरखपुर ले जाकर मारपीट का आरोप

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब थाना अंतर्गत हाइवे पर मंगलवार को एक ट्रक और अर्टिगा में जोरदार टक्कर हुई। टक्कर के बाद कार सवारों ने ट्रक का पीछा कर रोहनिया थाना क्षेत्र के मोहनसराय हाइवे पर उसे ओवरटेक किया और ट्रक चालक वकील यादव व खलासी रंजीत कुमार को रोक लिया। आरोप है कि चालक और खलासी के साथ मारपीट की। वहीं ट्रक चालक और खलासी को गोरखपुर ले गए। पैसे लेने के बाद चालक और खलासी को छोड़ा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।हाईवे पर ट्रक ने कार में टक्कर मार दी।इसके बाद कार सवारों ने ओवरटेक कर ट्रक चालक को रोका। कार सवारों ने टक्कर के चलते क्षतिग्रस्त कार की क्षतिपूर्ति मांगी।पैसा न देने पर चालक व खलासी के साथ मारपीट कर उन्हें कार में बैठा कर गोरखपुर ले गए। वहां लेन-देन के बाद दोनों को छोड़ दिया, जबकि ट्रक मोहनसराय हाइवे पर ही खड़ा रहा।

इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी ट्रक चालक ने ट्रक मालिक को दी। बाद में चालक, खलासी और ट्रक मालिक ने रोहनिया थाने पर लिखित तहरीर देकर अर्टिगा कार सवारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस मामले में रोहनिया थाना प्रभारी राजू सिंह ने बताया कि जांच में ₹बंधक बनाने₹ जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। चालक व खलासी अपनी मर्जी से कार में बैठे थे और वहीं लेन-देन हुआ। बाद में दोनों को सुरक्षित उतार दिया गया। कार सवारों से बातचीत में उन्होंने पैसा वापस कर दिया है। शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की तह तक जाने में जुटी हुई है।

स्वर्ण व्यवसायी के बेटे का बिना पोस्टमार्टम हुआ दाह संस्कार बना चर्चा का विषय

जिला चिकित्सालय के प्रशासन ने दावा किया कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए युवक की मृत्यु की सूचना पुलिस को तुरंत दी थी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के एक प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी परिवार के युवक की मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। 17 जून 2025 को घायल अवस्था में एक युवक को नगर स्थित रासमंडल क्षेत्र से जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासतौर पर पुलिस और प्रशासन की भूमिका को लेकर।

युवक को गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया, लेकिन परिजन डॉक्टरों के इस निर्णय से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने शव को वहां से अन्य चिकित्सक से राय लेने की बात कहकर ले गए।

दूसरे दिन, 18 जून 2025 को परिजनों ने युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। बड़ी हैरत की बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान न तो शव को पुलिस ने कब्जे में लिया और न ही पोस्टमार्टम कराया गया, जो संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामलों में आवश्यक होता है। चिकित्सालय प्रशासन ने युवक की मौत की सूचना नगर कोतवाली पुलिस को दी थी। सामान्यतः ऐसी सूचना मिलने के बाद पुलिस को मौके पर जांच के लिए जाना चाहिए, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने सूचना को नजरअंदाज कर दिया।

लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं में पुलिस की निष्क्रियता न केवल पीड़ित परिवार बल्कि समाज के लिए भी चिंता का विषय बन जाती है। युवक के परिजनों द्वारा बिना पोस्टमार्टम के जल्दबाजी में अंतिम संस्कार करना, जांच के लिए एक बड़ी बाधा बन गया है। इस निर्णय ने मामले को और अधिक जटिल बना दिया है।

सामाजिक और कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में पोस्टमार्टम न केवल मौत के कारणों का पता लगाने के लिए, बल्कि किसी भी तरह की अनियमितता को रोकने के लिए भी महत्वपूर्ण होता है।

जिला चिकित्सालय के प्रशासन ने दावा किया कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए युवक की मृत्यु की सूचना पुलिस को तुरंत दी थी।

घटना के बाद से आम लोगों में चर्चा है कि इस मामले में पुलिस ने अपनी भूमिका सही तरीके से नहीं निभाई। लोग यह भी सवाल कर रहे हैं कि क्या परिजनों ने समाज और कानून के दबाव में जल्दबाजी में अंतिम संस्कार का फैसला किया।

युवक की संदिग्ध मौत और पुलिस की निष्क्रियता ने कई अनसुलझे सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन की पारदर्शिता और संवेदनशीलता आवश्यक है।

यह घटना न केवल पीड़ित परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है कि संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु के मामलों में सभी को सतर्क रहना चाहिए।

पुलिस और प्रशासन से अपेक्षा है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच कर सच्चाई को सामने लाया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सीडीओ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में किसान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस के अवसर पर पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, उद्यान विभाग सहित विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी किसानों को दी गई।अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के लाभ बताते हुए कहा कि जनपद के समस्त किसान अपनी किसान आईडी अनिवार्य रूप से बनवा ले क्योंकि पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसान ही प्राप्त कर सकेंगे, गांवो में कैम्प आयोजित कर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा रही। उन्होने कहा कि किसानों की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए त्वरित निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाए। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ0 आर के सिंह के द्वारा किसानों को मक्के की खेती में अच्छा उत्पादन, पतवार नष्ट करने के लिए प्रयोग की जाने वाली दवा और धान की उन्नत और लाभदायक खेती कैसे करे इसके सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी। एफपीओ यमदग्नीपुरम के सीईओ चंद्रसेन सिंह ने मक्का के उत्पादन करने से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी देते हुए जनपद के किसानों की अधिक अधिक संख्या में खेती करने की अपील की। किसान युगल तिवारी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए किसानों को वर्मी कंपोस्ट का उपयोग करने हेतु सुझाव दिया। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी पीडी आत्मा डा0 रमेश चन्द्र यादव ने किया।

इस अवसर पर उप निदेशक कृषि हिमान्शु पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 ओपी श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा सहित अन्य अधिकारीगण और किसान उपस्थित रहे।

जौनपुर नगर में 226 घरों की हुई चेकिंग, काटा गया 19 कनेक्शन, 15.72 लाख की हुई वसूली

◆ विद्युत विभाग ने नगर में चलाया चेकिंग अभियान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बुधवार को विद्युत विभाग द्वारा शहर के ईशापुर, बाला जी कॉलोनी रोड, कुरचनपुर व बोधकरपुर क्षेत्रों में बृहद मॉर्निंग रेड अभियान चलाया

गया। अभियान के दौरान कुल 226 घरों और आवासीय परिसरों की जांच की गई। जिसमें बकायेदारों के 19 विद्युत कनेक्शन विच्छेदित किए गए। इस अभियान के माध्यम से विभाग को लगभग 15 लाख 72 हजार 599 रुपये की राजस्व वसूली हुई।

प्रबंध निदेशक पूर्वांचल विद्युत निगम के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में बिजली चोरी और बकाया बिल की जांच के साथ-साथ उपभोक्ताओं की समस्याओं को भी प्राथमिकता दी गई। अधिशासी अभियंता ई. सचिन कुमार सिन्हा के नेतृत्व में चली इस कार्यवाही में एसडीओ प्रथम रोशन जमीर, जेई नीरज कुमार, हरिनंदन राय समेत अन्य कर्मचारी और दो विशेष टीमें शामिल रहीं।अभियान में 29 उपभोक्ताओं का कुल 52 किलोवाट भारवृद्धि, 13 उपभोक्ताओं के त्रुटिपूर्ण बिलों में संशोधन, तथा 5 उपभोक्ताओं की विधा बदली गई। वहीं करीब 14 परिसरों पर बंद मीटरों को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए गए। ई. सचिन कुमार सिन्हा ने बताया कि यह अभियान आगे भी प्रतिदिन मॉर्निंग रेड और मेगा ड्राइव के रूप में जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे विच्छेदन तिथि से पूर्व अपना बकाया बिजली बिल जमा कर दें और बिजली चोरी से परहेज करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 10 हजार रुपये से अधिक बकायेदारों पर विशेष कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गलत बिल जारी करने वाले मीटर रीडरों पर भी विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बिजली विभाग का यह सख्त रुख देखकर उपभोक्ताओं में हड़कंप है। वहीं विभाग की ओर से यह आश्वासन भी दिया गया है कि सही बिलिंग और समय पर बिल वितरण के लिए ठोस प्रयास जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री जी घर तक रास्ता बनवा दीजिए, ग्राम प्रधान नहीं कर रहे सुनवाई

पौनी हसनपुर गांव निवासी व्यक्ति ने आइजीआरएस पोर्टल पर आवेदन कर मुख्यमंत्री से की रास्ता बनवाने की मांग

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री जी हमारे मोहल्ले तक मुख्य मार्ग से आने जाने के लिए कच्चा रास्ता है। पिछले 4 वर्ष से ग्राम प्रधान एवं ब्लाक कर्मचारियों से उक्त मोहल्ले के रास्ते पर खड़ंजा लगवाने की मांग की जा रही है, परंतु खड़ंजा स्वीकृत होने के बाद भी ग्राम प्रधान द्वारा उक्त रास्ते पर खड़ंजा नहीं लगवाया जा रहा है। पौनी हसनपुर निवासी सुभाष शुक्ला ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर आवेदन देकर मुख्यमंत्री से घर तक खड़ंजा लगवाने की मांग की है साथ ही साथ ग्राम प्रधान द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्य में घोर लापरवाही का भी आरोप लगाया है। इस सन्दर्भ में

पूछे जाने पर बीडीओ मुफ्तीगंज अस्मिता सेन ने बताया कि प्रार्थना पत्र फारवर्ड होकर उनके पास आ गया है। मामले की जांच के लिये एडीओ पंचायत रजनीश पाण्डेय को नामित किया गया है। जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दी जायेगी।

'आपातकाल' में कारावास भुगत चुके नागरिकों का मानधन हुआ दोगुना

गोपाल शेट्टी ने सीएम को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिखा पत्र

बोरीवली, मुंबई। आपातकाल के दौरान कारावास भुगतने वालों का मानधन दोगुना करने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वणीस को पत्र लिखकर धन्यवाद ज्ञापित किया है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री फड़वणीस को संबोधित करते हुए पत्र में लिखा है कि आपके नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय के लिए मैं हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए कारावास भुगतने वाले व्यक्तियों को मिलने वाला मानधन दोगुना करने का निर्णय स्वागत योग्य है। अतः आपका और उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा उप-मुख्यमंत्री अजितदादा पवार सहित आपके सभी मंत्रिमंडलीय सहयोगियों का दिल से अभिनंदन, धन्यवाद और कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। पत्र में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे लिखा है कि आपात काल देश के इतिहास में एक काला अध्याय रहा है। २५ जून १९७५ को आपातकाल लगाया गया था। जिसके कारण संसद, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिकों के मूलभूत अधिकार आदि को अलग रखकर केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से अपनी सत्ता की रक्षा के लिए व विरोध की हर आवाज को दबाने के लिए यह आपातकाल लगाया गया था। यह संवैधानिक मूल्यों का सरासर उल्लंघन था । आपातकाल भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त करने वाला एक निंदनीय निर्णय था। उस समय कोई वास्तविक राष्ट्रीय खतरा नहीं था, लेकिन सत्ता और राजनीतिक प्रतिशोध के लिए हजारों निर्दोष नागरिकों, छात्र नेताओं, समाजसेवकों व कार्यकताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से गिरफ्तार किया गया। कुछ लोगों पर झूठे मामले दर्ज किए गए और बेकसूर लोगों को कई दिनों तक जेल में रहना पड़ा। इस काल में कई लोगों के व्यवसाय बर्बाद हो गए, बच्चों की पढ़ाई रुक गई, परिवारों की स्थिति खराब हो गई थी। उस भीषण काल में, देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए निस्वार्थपूर्वक लड़ने वाले हजारों कार्यकताओं ने स्वेच्छा से कारावास स्वीकार किया। उन्होंने अपने जीवन की और परिवार की परवाह किए बगैर भारतीय लोकतंत्र का दीप जलाए रखा था।

ऐसे नायकों को सम्मानित करने और उनकी मानदेय राशि को दोगुना करने का राज्य सरकार का निर्णय केवल आर्थिक सम्मान नहीं है, बल्कि उनके संघर्ष के वैचारिक मूल्यों की राज्य स्तर पर सार्वजनिक स्वीकृति है।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में आगे उल्लेख किया है कि आज के राजनीतिक दौर में, जब राजनीति अक्सर केवल सत्ता तक सीमित हो रही है, तो ऐसे ऐतिहासिक निर्णय से नई पीढ़ी को मूल्याधारित राजनीति की प्रेरणा मिलेगी, यही आशा है।

पत्र के अंत में जनसेवक शेट्टी ने लिखा है कि आपके इस निर्णय से आज की पीढ़ी के सामने समर्पण, त्याग, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। आपके इस संवेदनशील, दूरदर्शी और न्यायप्रिय निर्णय के लिए पुनः एक बार आपका मनःपूर्वक अभिनंदन और धन्यवाद।

अमुव फाउंडेशन द्वारा आदिवासी विद्यार्थियों को शालेय सामग्री का वितरण

मुंबई। सामाजिक संस्था अमुव फाउंडेशन (मुलुंड, मुंबई) द्वारा जिला परिषद विद्यालय चोंडे खुर्द, डोलखांब, तालुका शहापुर, ठाणे के विद्यालय में स्कूल खुलने के उपलक्ष्य में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश मुरारका,ट्रस्टी अनिल कनोई,श्रीमती चंद्रकला मुरारका, श्रीमती मधु कनोई द्वारा कक्षा 1 से 4थी तक के सभी विद्यार्थियों को आकर्षक स्कूलबैग, छाता, पाठ्यपुस्तक, नोटबुक, पेन, शालेय सामग्री का वितरण किया गया। विद्यालय को ब्ल्युटूथ स्पीकर तथा माईक प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को नाश्ता एवम भोजन का प्रबंध किया गया। फाउंडेशन हर तीसरे माह आदिवासी विद्यार्थियों/लोगों के लिये कार्यक्रम का आयोजन करता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने अमुव फाउंडेशन के सभी ट्रस्टियों का आभार प्रकट किया।

ट्रक और पिकअप की भिड़ंत में चालक गंभीर रूप से घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र स्थित हौज टोल प्लाजा के समीप बुधवार सुबह ट्रक (ट्रेलर) और पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, वहीं खलासी को भी चोटें आई हैं।जानकारी के अनुसार, लखीमपुर के मेला मैदान से बिस्कुट लादकर वाराणसी जा रही पिकअप जैसे ही हौज टोल प्लाजा के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे लखनऊ की ओर जा रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक राकेश यादव (37 वर्ष) वाहन में ही फंस गया। वहीं खलासी आमिर अली भी घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकालकर दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है, जबकि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेंगलुरु में गायत्री यज्ञ एवं संस्कारों के माध्यम से दिया नारी जागरण का संदेश

बेंगलुरु (उत्तरशक्ति)। गायत्री चेतना केंद्र पर यज्ञाचार्य की लगातार 2 वर्ष तक सराहनीय भूमिका निभाने वाली विदुषी नारियों का अभिनंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि नारी जागरण का शंखनाद करने में अग्रणी रीता रजक ने गुरुसत्ता के सूक्ष्म संरक्षण में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार में 2 वर्ष पूर्व जून 2023 को संकल्प लिया था कि गायत्री चेतना केंद्र पर हर रविवार को संपन्न होने वाले गायत्री यज्ञ का संचालन नारी शक्ति द्वारा किया जाएगा तथा विविध संस्कार भी संपन्न कराए जाएंगे। इस संकल्प के 2 वर्ष पूर्ण होने पर गायत्री चेतना केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में, ज्ञान यज्ञ की लाल मशाल हाथ में लेकर क्षेत्र में नारी जागरण का संदेश दे रही यज्ञाचार्य की भूमिका निभाने वाली, जागृत नारियों को सम्मानित किया गया। '21वीं सदी, नारी सदी' के उद्घोष को मूर्त रूप में प्रस्तुत करने के लिए सराहना की गई। सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रीता रजक ने अपने क्षेत्र के मंदिरों एवं कॉलोनियों में ज्योति कलश के पूजन के लिए संपर्क करने एवं आगामी कार्यक्रम निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। यह जानकारी अमित सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

जौनपुरः बिजली कटौती को लेकर आम आदमी का विरोध प्रदर्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बदहाल विद्युत व्यवस्था और घंटों पॉवर कट के मुद्दे पर योगी सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के कार्यकतोओं ने बिजली कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा ने कहा कि प्रदेश में लगातार महंगी हो रही बिजली और उस पर घंटों बिजली की कटौती की मार झेल रही प्रदेश की जनता, सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है।लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बिजली कटौती के कारण आम आदमी और किसान बेहद परेशान हैं। उन्होंने कहा कि चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में घंटों बिजली कटौती से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिले में 10 से 12 घंटे तक बिजली की कटौती की जा रही है। जिसके चलते आम आदमी को अपने दैनिक जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों का पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है, घरों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है, और व्यवसायिक गतिविधियाँ भी ठप हो रही हैं। जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह बागी ने कहा कि किसानों को भी बिजली कटौती के कारण अपनी फसलों की सिंचाई करने में परेशानी हो रही है, जिससे उनकी फसलें खराब हो रही हैं और उनकी आय प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यूपी में बिजली कटौती एक बड़ी समस्या है, लेकिन सरकार इस समस्या से निपटने के बजाए लगातार बिजली की दरों में वृद्धि के काम में लगी हुई है। मुरली मनोहर, प्रदीप मिश्रा, विनोद प्रजापति, इस्लाम खान, मनोज प्रजापति, शिवजी मिश्रा, जफर मसूद, हरकेश प्रजापति, रविकांत यादव, बिंद्रा दुबे, आदि शामिल रहे।

रोडवेज चालक को पीटने का मामला पहुंचा कोतवाली

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हौसलबुलन्द दबंगों ने शाहगंज डिपो के चालक को मामूली बात पर मारपीट कर घायल कर दिया। बताता जाता है की थाना सरायख्वाजा के ग्राम रामदासपुर पतरहा निवास 43 वर्षीय सुभाष यादव पुत्र सभाजीत यादव उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में चालक के पद पर तैनात है।और शाहगंज डिपो की बस का चालक है। बुधवार की सुबह सुभाष अपने वाहन पर सवारी बैठाकर लखनऊ मार्ग पर निकलने के लिए बस को स्थानीय रोडवेज डिपो से बाहर निकाल रहा था की गेट पर एक दबंग ठेले वाले से किसी बात पर कहा सुनी हो गयी इतने में ठेले ने अन्य लोगों को बुलाकर उक्त चालक को पीट दिया। जिससे आक्रोशित दर्जनों रोडवेज चालक कोतवाली पहुंच दबंगो की गिरफ्तारी की मांग की। वहीं पीड़ित ने नामजद तहरीर देते हुए कार्यवाई की मांग की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

रुपेश राय सिकंद के बर्थडे में शामिल हुए दिलशाद एस. खान सहित कई दिग्गज

मुंबई। बॉलीवुड के चर्चित निमार्ता-निर्देशक रूपेश राय सिकंद के जन्मदिन के खास मौके पर आयोजित भव्य पार्टी में फिल्म जगत की कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। इनमें दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, पंकज बेरी, नारी सम्मान संघटन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय दुबे, पवन चौहान, शाइस्ता अंसारी, शुजात जी, नितिन दीवान, और हिमांशी गौर जैसी हस्तियाँ शामिल रहीं। सभी ने रूपेश राय को दिल से जन्मदिन की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। पार्टी के दौरान शानदार केक काटकर बर्थडे का जश्न मनाया गया। रूपेश राय सिकंद ने इस खास मौके पर सबसे पहले एयर इंडिया के प्लेन क्रैश पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, ह्यजब मैंने इस घटना के बारे में सुना तो स्तब्ध रह गया। इतने सारे मुसाफिरों की जान गई और दुर्घटनास्थल के आसपास भी नुकसान हुआ है। जो लोग अपने प्रियजनों को खो चुके हैं, उनके लिए मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।ह्ल रूपेश राय ने मीडिया और मेहमानों की भारी संख्या में उपस्थिति पर खुशी जाहिर की और कहा, ह्यमेरा जन्मदिन इस बार बेहद खास बन गया क्योंकि सभी मेहमानों और मीडिया ने मुझे बधाई दी और मेरे काम को सराहा। मैं सभी का तहे दिल से आभार प्रकट करता हूं। मैं ऋषिकेश मुखर्जी के सिनेमा से प्रेरित हूं और अपने प्रोजेक्ट्स में हमेशा शुद्ध मनोरंजन को प्राथमिकता देता हूं।ह्ल उन्होंने आगे बताया कि वे पंकज बेरी के साथ एक नया प्रोजेक्ट कर रहे हैं जिसमें उनका किरदार एकदम अलग और चुनौतीपूर्ण होगा। साथ ही उन्होंने प्रसिद्ध निर्देशक अरशद भाई के साथ भी भविष्य में एक प्रोजेक्ट करने की इच्छा जताई। रूपेश राय प्रोडक्शन लंबे समय से इंडस्ट्री में सक्रिय है। हाल ही में उन्होंने ह्यताल ट्यून म्यूजिकह्ल नाम से एक भक्ति संगीत कंपनी की शुरूआत की है और अब ह्यहाउस ऑफ ड्रामा पिक्चर्सह्ल नामक एक नया युथ-ओरिएंटेड वर्टिकल चैनल भी लॉन्च करने की योजना में हैं, जिसकी अधिकतर शूटिंग केरल में होगी। इस दौरान लेखक सौरभ जी ने भी खुलासा किया कि उन्होंने पंकज बेरी को ध्यान में रखते हुए एक विशेष स्क्रिप्ट तैयार की है। शो की शुरूआत एक प्रेम कहानी के रूप में होती है जो आगे चलकर मर्डर मिस्ट्री में बदल जाती है।

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने उन्हें अपना भाई बताते हुए ढेरों शुभकामनाएं दीं। पंकज बेरी ने कहा, ह्यमैं रूपेश जी को दिल से शुभकामनाएं देता हूं। वे स्वस्थ, मस्त और हमेशा शानदार प्रोजेक्ट्स बनाते रहें।ह्ल वहीं, नारी सम्मान संगठन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने कहा, ह्यरूपेश जी और उनका परिवार बेहद अच्छे हैं, वे एक शानदार इंसान और बेहतरीन निमार्ता-निर्देशक हैं।ह्ल पार्टी का माहौल बेहद गर्मजोशी भरा और

मृत पोस्टमास्टर के परिजन से मिले विधायक विजयशंकर दुबे

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार महाराजगंज स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के गोरेयाकोठी बाजार स्थित पोस्ट ऑफिस का पोस्टमास्टर महाराजगंज थाना क्षेत्र के हाहवा निवासी स्व रामचंद्र मांझी का 52 वर्षीय पुत्र विजय कुमार का शव गोरेयाकोठी पोस्ट ऑफिस में 16 जून को सुबह करीब 10 बजे छत के हुक से लटका पाया गया था . गोरेयाकोठी पुलिस मृतक के भाई अजय मांझी के बयान पर मृतक के सास-ससुर समेत अन्य पांच लोगों को आरोपित किया है।

महाराजगंज के विधायक विजय शंकर दुबे मृतक के घर पहुंच कर घटना की जानकारी उसके बाद पुलिस से टेलिफोनिक संपर्क कर अभिलंब आरोपियों की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। वहीं विधायक ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी . विधायक ने साफ शब्दों में कहा हम पीड़ित परिवार के साथ हैं हर संभव गलत करने वालों को सजा मिलनी चाहिए. मौके पर विधायक के साथ सीवान जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजाराम सिंह, महाराजगंज प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष इम्तियाज अहमद,गणेश राम, अशोक यादव वृजेंद्र यादव आदि ग्रामीण लोग मौजूद थे।

बनारसः इंटरनेशनल फ्लाइट की वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग, इंडोनेशिया से जा रहा था दिल्ली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डेनपसार से दिल्ली की ओर आ रहे एयर इंडिया के एक अंतरराष्ट्रीय विमान को डेनपसार से दिल्ली की ओर आ रहे एयर इंडिया के एक अंतरराष्ट्रीय विमान को दिल्ली में अचानक मौसम खराब हो गया।जिसके चलते दृश्यता बेहद कम हो गई।

मौसम की इस स्थिति के कारण विमान को दिल्ली एयरस्पेस में कई बार चक्कर लगाने पड़े। काफी देर तक हवा में मंडराने के बाद विमान का ईंधन कम होने लगा। इस स्थिति को देखते हुए पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर वैकल्पिक लैंडिंग की अनुमति मांगी। अळउ से अनुमति मिलने के बाद विमान को शाम 4 बजकर 20 मिनट पर वाराणसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। लैंडिंग पूरी तरह सफल और सुरक्षित रही।हालांकि, सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को विमान से बाहर नहीं निकाला गया। सभी यात्री दो घंटे से अधिक समय तक विमान के भीतर ही बैठे रहे। करीब दो घंटे बाद, जब दिल्ली में मौसम में सुधार आया और दृश्यता बेहतर हुई, तब विमान को फिर से उड़ान भरने की अनुमति दी गई। शाम 7 बजे विमान ने एक बार फिर दिल्ली के लिए उड़ान भरी। वाराणसी एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सभी प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

प्रभावित किसानों के प्रतिकर संबंधी प्रकरण के संबंध में बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 233/28 वाराणसी से आजमगढ़ के निर्माण से प्रभावित किसानों के प्रतिकर संबंधी प्रकरण के संबंध में बैठक केराकत के ब्लॉक डोभी के सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा स्थानीय ग्रामीणों से संवाद करते हुए तहसील केराकत में राष्ट्रीय राजमार्ग 233/28 के निर्माण से प्रभावित लगभग 20 गांव जिसमें आर्बिट्रेशन बाद चल रहा है। के संबंध में किसानों तथा एनएच के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए 15 गांव में उचित सर्किल रेट तय करने पर सहमति बनी, जिस पर उपस्थित ग्रामीणों द्वारा भी अपनी सहमति व्यक्त की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जहां सड़क जाती है। वहां विकास स्वतः शुरू हो जाता है। वाराणसी से आजमगढ़ जाने वाली इस मार्ग से आपको ही आवागमन में सुविधा होगी, जो भी मुआवजा नियमानुसार दिया जाना है, उसे तत्काल आपको उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी ने गांव के वयोवृद्ध लोगों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राजेश कुमार, तहसीलदार महेंद्र बहादुर, नायब तहसीलदार शैलेन्द्र कुमार, लेखपाल, कानूनगो, एनएच के अधिकारी, कर्मचारी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

बुलंदशहर में कार में लगी आग, एक ही परिवार के 5 लोगों की कार में जलकर मौत

बुलंदशहर(उत्तरशक्ति)। यूपी के बुलंदशहर में सड़क हादसे में परिवार के 5 लोगों की कार में जलकर मौत हो गई। बदायूं से दिल्ली जा रही एक कार पुलिया से टकराकर पलट गई। पलटते ही कार में आग लग गई। कार में बैठे 6 में से 5 लोग जिंदा जल गए। हादसे में सिर्फ एक महिला जिंदा बची है, जिसे पुलिस ने स्थानीय सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया है।

यह परिवार बदायूं में एक शादी समारोह से दिल्ली लौट रहा था। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार पुलिया तोड़ते हुए सड़क किनारे 5 फीट नीचे गिर गई। गिरते ही कार में भीषण आग लग गई। कार में बैठे 6 में से 5 लोग जिंदा जल गए। कार सवार केवल एक महिला ही बच पाई। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार का शीशा तोड़कर महिला को बाहर निकाला। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था, जिससे अन्य लोगों को नहीं बचा पाए। मृतकों में पति-पत्नी और उनका बेटा शामिल हैं। साथ ही पत्नी के भाई और उसकी पत्नी की भी हादसे में मौत हो गई। हादसा बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के जानीपुर- चंदौस तिराहे के पास हुआ। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही, मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई है।

पुलिस के अनुसार, हादसे में मोमिना (24), उनके पति जुबैर (30), दो साल के बेटे जैनुल, मोमिना के भाई तनवीज (26) और उनकी पत्नी निदा (23) की मौत हो गई। मोमिना की बहन गुलनाज उर्फ भुर्रो गंभीर रूप से घायल है। गुलनाज को जहांगीराबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया- चांदौक दोराहे के पास कार चालक को झपकी आ गई, जिससे कार बेकाबू हो गई और पुलिया तोड़ते हुए सड़क किनारे करीब 5 फीट नीचे गिर गई। गिरते ही कार में भीषण आग लग गई, जिसमें सभी की मौत हो गई। हादसे में सिर्फ एक महिला बची है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने कार में लगी आग बुझाई। इसके बाद पुलिस ने क्रेन बुलवाकर कार को बाहर निकलवाया। लपटें इतनी तेज थीं कि कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं कर सका। डर के मारे लोग पीछे हट गए। महिला की आंखों के सामने ही उसके परिवार के लोग जिंदा जल गए। वह चीखती रही। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पीड़ित परिवार को दी एक लाख की आर्थिक सहायता

कौशाम्बी(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में बहुचर्चित लोहन्दा दुष्कर्म कांड को लेकर राष्ट्रीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री महादेव जानकर आज पीड़िता के गांव लोहन्दा पहुँचे। दो दिन के अथक प्रयासों के बाद आज उन्होंने पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की और न्याय का भरोसा दिलाया। महादेव जानकर ने पीड़िता की शिक्षा के लिए ?1,00,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की और परिवार को भरोसा दिलाया कि जब तक बिटिया को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक राष्ट्रीय समाज पार्टी शासन-प्रशासन से संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा, बेटी को खूब पढ़ाइए, हमारी पार्टी हर हाल में उसके साथ है। इस अवसर पर राष्ट्रीय समाज पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिनमें शुशील पाल, वीरेंद्र पाल, राम दरस पाल, सैयद मेहंदी अब्बास रिजवी, और सुग्गन पाल प्रमुख रूप से शामिल रहे। महादेव जानकर ने कहा कि पार्टी पीड़िता के परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी और आगे की जरूरतों के लिए भी आर्थिक तथा कानूनी सहायता देने को तैयार है। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी शिलाराम लाल यादव ने दी है।